Seat No. : _____

AL-116

April-2023

B.A., Sem.-IV

CC-213 : Hindi

(हिन्दी सगुण भक्ति और रीति-काव्य का इतिहास)

Time : 2:30 Hours] **[Max. Marks : 70**

1. सगुण भक्ति साहित्य का सविस्तार परिचय दीजिए । **14**

अथवा

राम भक्ति शाखा की प्रमुख विशेषताओं को समझाइए । **14**

2. कृष्ण भक्ति काव्यधारा की प्रवृत्तियों को सोदाहरण समझाइए । **14**

अथवा

अष्टछाप के कवियों का परिचय दीजिए । **14**

3. रीतिकाल के प्रमुख कवि बिहारी और देव का परिचय दीजिए । **14**

अथवा

रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए । **14**

4. सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए । **14**

(1) जाउँ कहाँ तजि चरन तुम्हारे ।
काको नाम पतित-पावन जग, केहि अति दीन पियारे ।।
कौने देव बराइ बिरद-हित, हठि अधम उधारे ।
खग, मृग, ब्याघ, पषान, बिटप जड़, जवन कवन सुर तारे ।।
देव, दनुज, मुनि, नाग, मनुज सब, माया-बिबस बिचारे ।
तिनके हाथ दासतुलसी प्रभु, कहा अपनपौ हारे ।।

अथवा

रावरे रूप की रीति अनूप, नयो नयो लागत ज्यौं ज्यौं निहारियै ।
त्यौं इन आँखिन बानि अनोखी, अधानि कहूँ नहिं आनि तिहारियै ।
एक ही जीवहुतौ सुतौ वारयौ, सुजान सकोकऔ सोच सहारियै ।
रोकी रहै न, दहै, घनआनँद बावरी रीझ के हाथनि हारियै ।।

(2) अबलौं नसानी, अब न नसैहौं ।
राम-कृपा भव-निसा सिरानी, जागे फिरि न डसैहौं ।।
पायेउँ नाम चारु चिंतामनि, उर कर तें न खसैहौं ।
स्यामरूप प सुचि रुचिर कसौटी, चित कंचनहिं कसैहौं ।
परबस जानि हँस्यो इन इंद्रिन, निज बस ह्वै न हँसैहौं ।
मन मधुकर पनकै तुलसी रघुपति-पद-कमल बसैहौं ।।

अथवा

पतियाँ मैं कैसे लिखूं, लिख्योरी न जाय ।। टेक ।।
कलम धरत मेरो कर कंपत हैं नैन रहे झड़ लाय ।
बात कहूँ तो कहत न आवै, जीव रह्यौ डराय ।
विपत हमारी देख तुम चाले, कहिया हरिजी सूँ जाय ।
मीराँ के प्रभु गिरधर नागर, चरण ही कंवल रखाय ।।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **सात** प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए : **14**

(1) इनमें से किस काल को हिन्दी साहित्य का स्वर्णकाल कहा जाता है ?
(a) आदिकाल (b) भक्तिकाल
(c) रीतिकाल (d) आधुनिककाल

(2) इनमें से नाभादास की प्रसिद्ध कृति कौन-सी है ?
(a) सूरसागर (b) प्रेमवाटिका
(c) ध्रुव चरित्र (d) भक्तकाल

(3) इनमें से किसे मध्यकालीन भक्ति आन्दोलन का महान संत माना जाता है ?
(a) बिहारी (b) घनानंद
(c) रैदास (d) रामानंद

(4) इनमें से कौन अष्टछाप के कवि नहीं हैं ?
(a) चतुर्भुजदास (b) नंददास
(c) रैदास (d) कुंभनदास

(5) 'चौरासी वैष्णवन की वार्ता' कृति के रचनाकार इनमें से कौन हैं ?
(a) वल्लभाचार्य (b) विठ्ठलनाथ
(c) सूरदास (d) गोकुलदास

(6) 'प्रेमवाटिका' कृति के रचनाकार इनमें कौन हैं ?

(a) रसखान (b) रैदास

(c) नंददास (d) सूरदास

(7) रीतिकाल में किस भाषा की प्रधानता रही है ?

(a) मैथिली (b) व्रजभाषा

(c) अवधी (d) संस्कृत

(8) इनमें से किसने रीतिकाल को 'शृंगारकाल' नाम दिया है ?

(a) मिश्रबन्धु (b) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद

(c) आ. रामचंद्र शुक्ल (d) त्रिलोचन

(9) 'भावविलास' कृति के रचनाकार कौन हैं ?

(a) कवि देव (b) बिहारी

(c) केशवदास (d) मतिराम

(10) इनमें से किसने रैदास को अपना गुरु माना था ?

(a) सूरदास (b) कबीर

(c) तुलसीदास (d) मीराबाई

(11) घनानंद की प्रेयसी का नाम क्या था ?

(a) सरोज (b) सुजान

(c) सुजाता (d) सुमित्रा

(12) इनमें से कौन-सी कृति तुलसीदास की नहीं है ?

(a) गीतावली (b) विनय-पत्रिका

(c) रामललानहछू (d) भ्रमरगीत